Gurukul International Multidisciplinary Research Journal

International Impact Factor 8.249
eISSN No 2394-8426
Peer Reviewed Journal
Referred Journal
Indexed Journal
Online Journal

Peer Reviewed Journal

Certificate of Publication

Awarded to

श्रीमती प्रीति सिंह राजपूत & डॉ.सोना शुक्ला

For contributing research paper entitled

"भारतीय संविधान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान"

in the **Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (eISSN 2394-8426)**

with **International Impact Factor 8.249**

for the **Dr. Babasaheb Ambedkar's Global Vision 2024**

of Special Issue **Issue–I(I), Volume–XII.**

Published Online Dated 14'Apr 2024.

Chief Editor
Mr. Mohan Hanumantrao Gitte

अंबेडकर का आर्थिक दृष्टिकोण भी उनके विचारों का महत्वपूर्ण हिस्सा था। उन्होंने समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए सामाजिक और आर्थिक सुधारों की बजाय कुशलता और विकास को प्राथमिकता दी। उन्होंने उन सामाजिक वर्गों के लिए विशेष योजनाएं बनाई जो उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और स्वतंत्र बनाने के लिए मदद करती हैं। उन्होंने भारतीय समाज को आर्थिक उत्थान की दिशा में नेतृत्व प्रदान किया और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता के माध्यम से समाज के साथी बनाने के लिए प्रेरित किया। अंबेडकर का आर्थिक दृष्टिकोण उन्होंने उन तंत्रों का खुलासा किया जो समाज को गरीबी और आर्थिक असमानता से मुक्त कर सकते हैं। उन्होंने आर्थिक उत्थान के लिए नई दिशाएँ स्थापित की और समाज के विकास में आर्थिक स्वतंत्रता को महत्वपूर्ण माना।

भारतीय संविधान का आधार भारतीय समाज के मूल्यों, नैतिकता और संस्कृति पर रखा गया है। डॉक्टर अंबेडकर ने संविधान में भारतीय समाज के विभिन्न संस्कृति और धार्मिक समृद्धि को समेटा। उन्होंने समानता, धर्मनिरपेक्षता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों को स्थापित किया जो भारतीय समाज के आधार के रूप में कार्य करते हैं। अंबेडकर का संविधान में भारत के आधार को समर्थन करने का विशेष ध्यान था। उन्होंने विभिन्न समृद्धिवादी और धार्मिक सिद्धांतों को एक सामान्य मंच पर लाने का प्रयास किया। उन्होंने भारतीय समाज के सामाजिक और धार्मिक समृद्धि को समेटने के लिए संविधान में विभिन्न धाराओं को शामिल किया जिनका उद्देश्य समाज के संघर्षों को देखते हुए समझदारी और समानता को बढ़ावा देना था।

डॉक्टर अंबेडकर का राष्ट्रवाद उनके विचारों का महत्वपूर्ण हिस्सा था। उन्होंने संविधान में भारत के राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता को मजबूत किया। उन्होंने राष्ट्रवाद के माध्यम से समाज को एकजुट करने का प्रयास किया और सभी वर्गों को एक साथ लाने के लिए संविधान के माध्यम से निर्माण किया। उन्होंने राष्ट्रीय भावना को बढ़ावा दिया और समाज को राष्ट्रीय एकता की ओर ले जाने के लिए प्रेरित किया। अंबेडकर का राष्ट्रवाद संविधान में एक समृद्ध और समावेशी समाज की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने भारतीय समाज को एकता और सामर्थ्य की ओर ले जाने के लिए राष्ट्रवाद का महत्व बताया और सभी समृद्धिवादी और धार्मिक सिद्धांतों को एक साथ लाने का प्रयास किया।

अंबेडकर का राजनीतिक दृष्टिकोण बहुत उच्च था। उन्होंने भारतीय समाज को एक समृद्ध और समावेशी समाज की दिशा में ले जाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने जातिवाद, असमानता और वर्णव्यवस्था के खिलाफ उठाव किया और समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय भावना को बढ़ावा दिया और समाज को राष्ट्रीय एकता की ओर ले जाने के लिए प्रेरित किया। अंबेडकर के राजनीतिक दृष्टिकोण ने उन्हें भारतीय समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने के लिए संघर्ष किया और उन्हें समाज के साथी बनाने के लिए प्रेरित किया।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का योगदान संविधान के निर्माण में अविस्मरणीय है। उन्होंने भारतीय समाज को एक सामाजिक और राजनीतिक संरचना प्रदान की, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, और न्याय की भावना को बढ़ावा मिला। उनके विचारों ने भारतीय समाज के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया और उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने के लिए संघर्ष किया। अंबेडकर ने संविधान को एक सामाजिक और धार्मिक सिद्धांतों का संयोजन दिया जो समाज के विभिन्न स्तरों पर एक रूप और स्वरूप बने रहते हैं। उन्होंने समाज में न्याय की भावना को मजबूत किया और उन्होंने विभिन्न समृद्धिवादी और धार्मिक सिद्धांतों के खिलाफ उठाव किया। उनके योगदान का महत्वपूर्ण हिस्सा था जिसने भारतीय समाज को उत्थान की दिशा में ले जाया।